Seventeenth Loksabha

an>

Title: Re. Launching of awareness caimpaign by the Central Government in association with the State Government for the Organ Donation.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं । एक अध्ययन से पता चला है कि हमारे देश में हर साल अंग विफलता और अंगों की उपलब्धता की कमी के चलते लाखों लोगों की मौत होती है । हमारे सभी बड़े अस्पतालों में वेंटिलेटर्स पर ब्रेन डेड पेशेन्ट्स अक्सर पाए जाते हैं । समझ में आने वाले कारणों में चिकित्सक मरीज़ों की ब्रेन डेथ के बारे में खुलासा करने से हिचकिचाते हैं और अंगदान के लिए परिजनों को प्रेरित करने में बहुत असहज महसूस करते हैं । यदि सरकार ब्रेन डेथ के सन्देह के बारे में कोई स्वास्थ्य प्राधिकरण बनाती है तो वह प्राधिकरण रोगी का निरीक्षण करने के लिए डॉक्टर्स की टीम को सक्रिय रूप से भेजेगा और फिर ये अधिकारी परिजनों को स्थिति के बारे में सुझाव देंगे ।

माननीय सभापति महोदया, अंगदान के लिए परिजनों को संवेदनशील बना सकते हैं । यह ऐसे रोगियों का इलाज़ करने वाले चिकित्सकों की परेशानी को कम करेगा और परिजनों को निर्णय लेने के लिए तैयार करेगा । साथ ही, यदि वे सहमत हैं तो अंगदान के लिए तैयार भी कर सकते हैं । उनका यह निर्णय हर साल मरने वाले व्यक्तियों की मदद करेगा । साथ ही, हमारे देश पर जो आर्थिक बोझ आता है, उसे कम करेगा । जैसे किडनी और लीवर को पेशेन्ट्स के अन्दर ट्रांसप्लांट करने पड़ते हैं तो इस तरह के व्यक्तियों को अंग प्रत्यारोपण का भी लाभ मिल सकता है । महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर देहदान और अंगदान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा सकता है । ब्रेन डेड की स्थिति में जनमानस के लिए समय पर शवदान और अंगदान की बारीकियों से अवगत कराते हुए लोगों को तैयार करते हुए हम हर वर्ष लाखों लोगों की जान इस देश में बचा सकते हैं । मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत में भी इस तरह के हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम चलाकर हम उन बीमारों की मदद करें जो किसी एक अंग के कारण मौत के करीब जा रहे हैं । महोदया, आपने समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।